# जरूरी सामयिक कदमः भारत–आसियान रिश्ते, 'एक्ट ईस्ट' नीति

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछले हफ्ते ब्रूनेई और सिंगापुर की यात्रा सरकार द्वारा अपने तीसरे कार्यकाल में भारत की "एक्ट ईस्ट" नीति पर जानबूझकर ध्यान केंद्रित करने का हिस्सा थी। सन् 2018, जब आसियान देशों के नेता एक शिखर सम्मेलन और गणतंत्र दिवस परेड में हिस्सा लेने के लिए भारत में थे, के बाद से नई दिल्ली इतने कम वक्त में इस क्षेत्र तक कभी नहीं पहुंची थी। इस साल के आखिरी में प्रधानमंत्री के आसियान-भारत शिखर सम्मेलन के लिए लाओस, फिलीपींस और इंडोनेशिया जाने की उम्मीद है। इसके अलावा, नई दिल्ली ने वियतनाम और मलेशिया के प्रधानमंत्रियों के लिए लाल कालीन बिछाया है। दक्षिण पूर्व एशिया के हरेक देश के साथ फिर से जुड़ने और यहां तक कि नए रिश्ते कायम करने का संदेश सुविचारित और लंबे समय से बकाया है।श्री मोदी की यह यात्रा किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली द्विपक्षीय यात्रा थी। एक ऐसे देश, जिसके अमेरिका के साथ रणनीतिक रिश्ते एवं चीन के साथ व्यापारिक रिश्ते हैं और जो आसियान के मध्य में स्थित है, के साथ रिश्तों की यह उपेक्षा गंभीर है।

**प्रधानमंत्री मोदी की ब्रुनेई और सिंगापुर की हालिया यात्राओं का क्या महत्व है?**

- **'एक्ट ईस्ट' नीति को पुनर्जीवित करना :** प्रधानमंत्री मोदी की ब्रुनेई और सिंगापुर यात्रा दक्षिण पूर्व एशिया के साथ संबंधों को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता पर जोर देती है, जो 2014 में शुरू की गई 'एक्ट ईस्ट' नीति के अनुरूप है।
- **सामरिक और रक्षा चर्चाएँ :** ब्रुनेई में, रक्षा और भू-रणनीतिक मुद्दों पर मोदी की चर्चाएँ सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक कदम हैं। ब्रुनेई में इसरो स्टेशन की मेजबानी के साथ अंतरिक्ष सहयोग को नवीनीकृत करना इस प्रयास को रेखांकित करता है।
- **आर्थिक साझेदारी :** सिंगापुर में सेमीकंडक्टर उद्योग पर मोदी का ध्यान भारत के तकनीकी बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए सिंगापुर की क्षमताओं का लाभ उठाने का लक्ष्य रखता है। यह साझेदारी अमेरिका-चीन तनाव से जुड़े जोखिमों को कम कर सकती है और भारत की उत्पादन क्षमताओं को बढ़ा सकती है।

**चुनौतियाँ और अपेक्षाएँ क्या हैं?**

**चुनौतियां**

- **ब्रुनेई के साथ व्यापार में गिरावट :** ब्रुनेई के साथ भारत के व्यापार में गिरावट आई है, खासकर तब से जब भारत ने 2022 में रूस से अपने तेल आयात में वृद्धि की है।
- **सामरिक साझेदारी का अभाव :** भारत और ब्रुनेई के बीच कोई सामरिक साझेदारी नहीं है, भले ही दोनों देशों ने रक्षा और भू-रणनीतिक मुद्दों पर चर्चा की हो।
- **आरसीईपी से भारत का बाहर होना :** 2019 में आसियान के नेतृत्व वाले आरसीईपी से भारत के बाहर होने से इस क्षेत्र के साथ इसकी सहभागिता में बाधा उत्पन्न हुई है, जिससे यह एक बड़े क्षेत्रीय व्यापार समझौते से बाहर हो गया है।

**अपेक्षाएं:**

- **नवीनीकृत अंतरिक्ष सहयोग :** ब्रुनेई में इसरो की उपस्थिति के साथ भारत और ब्रुनेई ने अपने अंतरिक्ष सहयोग को नवीनीकृत किया।

- **सेमीकंडक्टर संबंधों में सुधार :** सिंगापुर और भारत द्वारा बढ़ती लागतों की भरपाई करने और अमेरिका-चीन तनाव से उत्पन्न जोखिम को कम करने के लिए सेमीकंडक्टर सहयोग बढ़ाने की उम्मीद है।
- **अद्यतन व्यापार समझौते :** भारत से अपेक्षा की जाती है कि वह आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए सिंगापुर के साथ 2009 एआईटीआईजीए और 2005 सीईसीए जैसे अपने व्यापार समझौतों को अद्यतन करेगा

## प्रारंभिक परीक्षा के संभावित प्रश्न (Prelims Expected Question)

**प्रश्न: भारत और ब्रुनेई के द्विपक्षीय संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें-**

1. भारत और ब्रुनेई के बीच कोई सामरिक साझेदारी नहीं है।
2. भारत और ब्रुनेई ने अपने अंतरिक्ष सहयोग को नवीनीकृत किया

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

**Que.** Consider the following statements in the context of bilateral relations between India and Brunei:

1. There is no strategic partnership between India and Brunei.
2. India and Brunei renewed their space cooperation.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1 (b) Only 2
(c) Both 1 and 2 (d) Neither 1 nor 2

**उत्तर : C**

## मुख्य परीक्षा के संभावित प्रश्न व प्रारूप (Expected Question & Format)

**प्रश्न: प्रधानमंत्री मोदी की हालिया सिंगापुर और ब्रुनेई की यात्रा के क्या निहितार्थ हैं? चर्चा करें।**

**उत्तर का दृष्टिकोण :**

- उत्तर के पहले भाग में प्रधानमंत्री मोदी की हालिया यात्रा की तथ्यात्मक चर्चा करें।
- दूसरे भाग में इस यात्रा के लाभ, चुनतियों और अपेक्षाओं आदि की चर्चा करें।
- अंत में आगे की राह देते हुए निष्कर्ष दें

**नोट : अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।**